



UPSSSC–PET

प्रारंभिक पात्रता परीक्षा (PET)

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (UPSSSC)

भाग - 3

हिन्दी एवं अंग्रेजी

विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
1	संधि	1
2	विलोम शब्द	13
3	पर्यायवाची शब्द	19
4	वाक्य के एक शब्द	24
5	लिंग	32
6	समश्रुत भिन्नार्थक	37
7	मुहावरे	42
8	लोकोक्तियाँ	50
9	वर्तनी शुद्धि	57
10	वाक्य शुद्धि	62
11	हिन्दी लेखकों का सामान्य परिचय एवं रचनाएँ	66
12	अपठित गद्यांश	72
13	Golden Rules of English Grammar	77
14	Preposition (उपसर्ग)	104
15	Article (लेख)	118
16	Reading Comprehension (अपठित गद्यांश)	125



➤ संधि शब्द का अर्थ है - **वर्ण विकार**।

➤ दो वर्णों या ध्वनियों के परस्पर व्यवधान रहित संयोग से होने वाले परिवर्तन (विकार) को **संधि** कहते हैं।

उदाहरण के रूप में → विद्यालय = विद्या + आलय

➤ अर्थात् **विद्या** शब्द का अंतिम वर्ण 'आ' और **आलय** का प्रारम्भिक वर्ण 'आ' के समीप आने पर दो दीर्घ वर्णों के स्थान पर एक 'आ' वर्ण रूप में **एकादेश** हो जाता है।

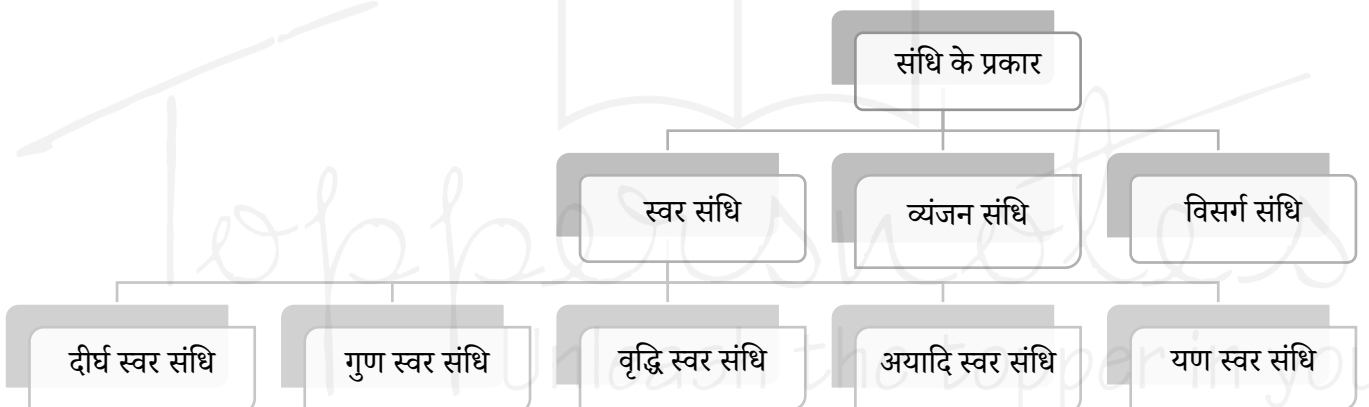
➤ **श्री किशोरी दास वाजपेयी के अनुसार**, “जब दो या अधिक वर्ण पास-पास आते हैं तो कभी-कभी उनमें रूपांतर हो जाता है। इसी रूपांतर को संधि कहते हैं।”

➤ दूसरी तरफ, इस परिवर्तन से इन ध्वनियों या वर्णों को पुनः अपने मूल रूप में लाने की प्रक्रिया **संधि-विच्छेद** कहलाती है।

➤ **उदाहरण स्वरूप -**

✓ **संधि** : महा + ईश = महेश [आ + ई = ए (यही परिवर्तन/विकार है)]

✓ **संधि-विच्छेद**: महेश = महा + ईश (पुनः अपने मूल रूप में)



स्वर संधि

➤ दो **स्वरों के मेल** से उत्पन्न होने वाले विकार या परिवर्तन को **स्वर संधि** कहते हैं।

उदाहरण के लिए - भाव + अर्थ = भावार्थ

➤ यहाँ 'भाव' शब्द का अंतिम स्वर 'अ' एवं 'अर्थ' शब्द का पहला स्वर 'अ', दोनों स्वरों के) से 'आ' स्वर की उत्पत्ति हुई, जिससे 'भावार्थ' शब्द का निर्माण हुआ। स्वरों के ऐसे मेल को स्वर-संधि कहते हैं।

दीर्घ स्वर संधि :

➤ दो समान स्वर मिलकर जब दीर्घ स्वर में बदल जाते हैं तो वहाँ **दीर्घ स्वर संधि** होती है।

या

➤ यदि ह्रस्व या दीर्घ अ, इ, उ तथा 'ऋ' स्वरों के पश्चात् ह्रस्व या दीर्घ अ, इ, उ या ऋ स्वर आएँ तो दोनों मिलकर क्रमशः आ, ई, ऊ तथा ऋ हो जाते हैं।

उदाहरण :

स्वर	उदाहरण शब्द	संधि से बना नया शब्द
अ + अ = आ	दैत्य + अरि अन्य + अन्य मध्य+अवधि दिवस + अवसान दीप + अवली समान + अधिकार कल्प + अंत स + अवधान मार्त + अण्ड दिन + अन्त सुख + अन्त अन्न + अभाव सह + अनुभूति पर + अधीन उत्तर + अयन अधिक + अंश पाठ + अंतर	दैत्यारी अन्यान्य मध्यावधि दिवसावसान दीपावली समानाधिकार कल्पान्त सावधान मार्तण्ड दिनान्त सुखान्त अन्नाभाव सहानुभूति पराधीन उत्तरायण अधिकांश पाठान्तर
अ + आ = आ	देव + आनन्द पुस्तक + आलय भोजन + आलय देव + आलय न्याय + आलय पत्र + आलय मरण + आसन्न हिम + आलय शिव + आलय	देवानन्द पुस्तकालय भोजनालय देवालय न्यायालय पत्रालय मरणासन्न हिमालय शिवालय
आ + अ = आ	विद्या + अर्थी तथा+अपि महा + अर्णव परीक्षा + अर्थी यथा + अर्थ विद्या + अभ्यास आज्ञा + अनुसार तथा + अस्तु	विद्यार्थी तथापि महार्णव परीक्षार्थी यथार्थ विद्याभ्यास आज्ञानुसार तथास्तु

आ + आ = आ	विद्या + आलय श्रद्धा + आनंद	विद्यालय श्रद्धानंद
इ + इ = ई	कवि + इन्द्र रवि + इंद्र अभि + इष्ट अति + इव	कवीन्द्र रवीन्द्र अभीष्ट अतीव
ई + इ = ई	मही + इन्द्र शची + इंद्र फणी+ इन्द्र सुधी + इन्द्र देवी + इच्छा	महीन्द्र शचींद्र फणीन्द्र सुधीन्द्र देवीच्छा
इ + ई = ई	गिरि + ईश कपि + ईश परि + ईक्षा हरि + ईश मही + ईश	गिरीश कपीश परीक्षा हरीश महीश
ई + ई = ई	रजनी + ईश पृथ्वी + ईश फणी + ईश्वर नारी + ईश्वर	रजनीश पृथ्वीश फणीश्वर नारीश्वर
उ + उ = ऊ	भानु + उदय गुरु + उपदेश सु + उक्ति	भानूदय गुरुपदेश सूक्ति
उ + ऊ = ऊ	वसु + उत्सव अम्बु + ऊर्मि धातु + ऊष्मा	वसूत्सव अंबूर्मि धातूष्मा
ऊ + ऊ = ऊ	भू + ऊर्जा वधू + ऊर्मि भू + ऊर्ध्व	भूर्जा वधूर्मि भूर्ध्व
ऋ + ऋ = ऋ	पितृ + ऋण	पितृण

गुण संधि :

- इस संधि के तहत यदि 'अ' या 'आ' के बाद 'इ' या 'ई' की ध्वनि आती है तो वह 'ए' में बदल जाती है, 'उ' या 'ऊ' की ध्वनि आती है तो वह 'ओ' में बदल जाती है तथा 'ऋ' की ध्वनि आती है तो वह 'अर्' में बदल जाती है।
- अ, ए एवं ओ वर्णों को 'गुण' वर्ण कहा जाता है।

उदाहरण :

स्वर	शब्द	नया शब्द (संधि)
अ + इ = ए	देव + इन्द्र	देवेन्द्र
अ + ई = ए	प्र + इषिति	प्रेषिति
आ + इ = ए	प्र + इत	प्रेत
आ + ई = ए	शुभ + इच्छा	शुभेच्छा
	राम + इन्द्र	रमेन्द्र
	गण + ईश	गणेश
	खग + ईश	खगेश
	यथा + इष्ट	यथेष्ट
	राजा + इन्द्र	राजेन्द्र
	रमा + ईश	रमेश
	नर + इन्द्र	नरेन्द्र
	सुर + इंद्र	सुरेन्द्र
	उप + इन्द्र	उपेन्द्र
	जित + इन्द्रिय	जितेन्द्रिय
	परम + ईश्वर	परमेश्वर
	महा + ईश्वर	महेश्वर
	देव + ईश	देवेश
	महा + इन्द्र	महेन्द्र
	नर + ईश	नरेश
	नाग + ईश	नागेश
	भुवन + ईश्वर	भुवनेश्वर
	सुर + ईश	सुरेश
	भारत + इंदु	भारतेंदु
	हृषीक + ईश	हृषीकेश
अ + उ = ओ	वीर + उद्धत	वीरोद्धत
	प्र + उत्साहन	प्रोत्साहन
	पुष्प + उद्यान	पुष्पोद्यान
	प्राप्त + उदक	प्राप्तोदक
	वन + उत्सव	वनोत्सव
	हिम + उपल	हिमोपल
	पूर्ण + उपमा	पूर्णोपमा
	सर्व + उदय	सर्वोदय
	सांग + उपांग	सांगोपांग
	दीप + उत्सव	दीपोत्सव
	सूर्य + उदय	सूर्योदय
	सर्व + उत्तम	सर्वोत्तम
	कर्ण + उद्धार	कर्णोद्धार
	चन्द्र + उदय	चन्द्रोदय
	पर + उपकार	परोपकार

अ + ऊ = ओ	जल + ऊर्मि प्र + ऊढ़ नव + ऊढ़ा अक्ष + ऊहिनी	जलोर्मि प्रौढ़ नवोढ़ा अक्षौहिणी
आ + उ = ओ	महा + उत्सव महा + उदधि यथा + उचित महा + उदय महा + उर्मि	महोत्सव महोदधि यथोचित महोदय महोर्मि
आ + ऊ = ओ	गंगा + ऊर्मि यमुना + ऊर्मि	गंगोर्मि यमुनोर्मि
अ + ऋ = अर्	कपट + ऋषि अधम + ऋण देव + ऋषि राज + ऋषि सप्त + ऋषि	कपटर्षि अधर्मण देवर्षि राजर्षि सप्तर्षि
आ + ऋ = अर्	महा + ऋषि	महर्षि

वृद्धि संधि :

- इस संधि के तहत यदि 'अ' या 'आ' के बाद 'ए' या 'ऐ' की ध्वनि आती है तो वह 'ऐ' में और यदि 'ओ' या 'औ' की ध्वनि आती है तो वह 'औ' में बदल जाती है।
- आ, ऐ एवं औ वर्णों को 'वृद्धि' वर्ण कहते हैं।

उदाहरण :

संधि	शब्द	नया शब्द (संधि फल)
अ + ए = ऐ	एक + एक जीव + एषणा	एकैक जीवैषणा
अ + ऐ = ऐ	परम + ऐश्वर्य भाव + ऐक्य मत + ऐक्य तत्र + एव विश्व + ऐक्य	परमैश्वर्य भावैक्य मतैक्य तत्रैव विश्वैक्य
आ + ए = ऐ	सदा + एव तथा + एव	सदैव तथैव
आ + ऐ = ऐ	महा + ऐश्वर्य विद्या + ऐश्वर्य	महैश्वर्य विद्यैश्वर्य

अ + ओ = औ	परम + ओज	परमौज
आ + ओ = औ	महा + ओजस्वी महा + औदार्य	महौजस्वी महौदार्य
अ + औ = औ	वन + औषधि	वनौषधि
आ + औ = औ	महा + औषध	महौषध

यण् संधि :

- इस संधि के अंतर्गत यदि 'इ' या 'ई', 'उ' या 'ऊ' तथा ऋ के बाद कोई भिन्न स्वर आता है तो वे निम्नानुसार परिवर्तित हो जाते हैं -
✓ इ / ई → य्,
✓ उ / ऊ → व्,
✓ ऋ → र्।
- साथ ही बाद वाले शब्द के पहले स्वर की मात्रा य्, व्, र् में लग जाती है।
- वि + अव + हार = व्यवहार (इसमें 'अव' मूल शब्द 'वि' उपसर्ग तथा 'हार' प्रत्यय है।)

उदाहरण :

संधि का नियम	संधि-विच्छेद (मूल शब्द)	नया शब्द (संधि-फल)
इ + अ = 'य्'	अति + अधिक यदि + अपि प्रति + अय प्रति + अंग गति + अवरोध अभि + अर्थी वि + अभिचार रीति + अनुसार इति + अर्थ वि + अर्थ अति + अल्प अनु + अय	अत्यधिक यद्यपि प्रत्यय प्रत्यंग गत्यवरोध अभ्यर्थी व्यभिचार रीत्यनुसार इत्यर्थ व्यर्थ अत्यल्प अन्वय

इ + आ = य	इति + आदि वि + आकुल अति + आवश्यक प्रति + आरोपण वि + आयाम अति + आचार	इत्यादि व्याकुल अत्यावश्यक प्रत्यारोपण व्यायाम अत्याचार
ई + अ = 'य्'	नदी + अर्पण देवी + अर्पण देवी + अर्थ	नद्यर्पण देव्यर्पण देव्यर्थ
ई + आ = य	नदी + आगम देवी + आगम सरस्वती + आराधन	नद्यागम देव्यागम सरस्वत्याराधन
इ + उ = यु	अति + उत्तम प्रति + उपकार प्रति + उत्तर अति + उक्ति अति + उत्तम अभि + उदय उपरि + उक्त	अत्युत्तम प्रत्युपकार प्रत्युत्तर अत्युक्ति अत्युत्तम अभ्युदय उपर्युक्त
ई + उ = यु	सखी + उचित स्त्री + उपयोगी	सख्युचित स्त्र्युपयोगी
इ + ऊ = यू	अति + ऊष्म नि + ऊन	अत्यूष्म न्यून
ई + ऊ = यू	नदी + ऊर्मि	नद्यूर्मि
इ + ए = ये	प्रति + एक देवी + एकता	प्रत्येक देव्येकता
इ + ऐ = यै	देवी + ऐश्वर्य	देव्यैश्वर्य
इ + ओ = यो	दधि + ओदन	दध्योदन
उ + अ = व्	सु + अच्छ सु + अल्प मधु + अरि	स्वच्छ स्वल्प मध्वरि
उ + आ = वा	सु + आगत गुरु + आश्रम	स्वागत गुर्वाश्रम
ऊ + आ = वा	भू + आदि वधू + आगमन	भ्वादि वध्वागमन
उ + ए = वे	अनु + एषण	अन्वेषण

उ + इ = वि	अनु + इति धातु + इक	अन्विति धात्विक
ऊ + इ = वि	वधू + इच्छा	वध्विच्छा
ऋ + अ = र्	पितृ + अनुमति	पित्रनुमति
ऋ + आ = र	पितृ + आज्ञा मातृ + आज्ञा मातृ + आनन्द पितृ + आदेश	पित्राज्ञा मात्राज्ञा मात्रानन्द पित्रादेश
ऋ + इ = रि	मातृ + इच्छा	मात्रिच्छा
ऋ + उ = रु	भ्रातृ + उपकार	भ्रात्रुपकार

अयादि संधि :

- यदि 'ए' या 'ऐ' और 'ओ' या 'औ' के बाद कोई भिन्न स्वर आता है तो निम्न रूप से विकार देखने को मिलता है।
 - ✓ ए → अय् में,
 - ✓ ऐ → आय् में,
 - ✓ ओ → अव्
 - ✓ औ → आव्

उदाहरण :

संधि का नियम	संधि-विच्छेद (मूल शब्द)	नया शब्द (संधि-फल)
ए + अ = अय	ने + अन शे + अन चे + अन	नयन शयन चयन
ऐ + अ = आय	नै + अक गै + अक गै + अन	नायक गायक गायन
ओ + अ = अव	पो + अन	पवन
ओ + इ = अवि	पो + इत्र	पवित्र
औ + अ = आव	पौ + अक श्रौ + अन श्रौ + अक	पावक श्रावण श्रावक
औ + ई = आवि	नौ + इक	नाविक
औ + उ = आवु	भौ + उक	भावुक

व्यंजन संधि

- किसी व्यंजन का किसी अन्य व्यंजन या स्वर के साथ मेल होने पर ध्वनियों में उत्पन्न होने वाले विकार को ही व्यंजन संधि कहते हैं।
- व्यंजन संधि का अन्य नाम (संस्कृत में) - हल् संधि

व्यंजन संधि के कुछ नियम			
संधि का नियम	नियम	संधि-विच्छेद	संधि-फल
1. यदि प्रत्येक वर्ग के पहले वर्ण अर्थात् 'क्' 'च्' 'ट्' 'त्' 'प्' के बाद किसी वर्ग का तृतीय या चतुर्थ वर्ण आए या य, र, ल, व या कोई स्वर आए तो 'क्' 'च्' 'ट्' 'त्' 'प्' के स्थान पर अपने ही वर्ग का तीसरा वर्ण अर्थात् 'ग', 'ज', 'ड', 'द', 'ब', हो जाता है।	क् → ग्, च् → ज्, ट् → ड्, त् → द्, प् → ब्	वाक् + ईश वाक् + ईश्वर दिक् + गज दिक् + दर्शन दिक् + अंबर वाक् + दान सत् + वाणी अच् + अंत अप् + इंधन तत् + रूप जगत् + आनंद	वागीश वागीश्वर दिग्गज दिग्दर्शन दिग्ंबर वाग्दान सद्वाणी अजंत अबिंधन तद्रूप जगदानंद

		सत् + भावना षट् + आनन सत् + गति उत् + ज्वल तत् + अनन्तर उत् + गम उत् + योग जगत् + ईश षट्+रिपु कृत् + अंत जगत् + अंबा सत् + धर्म सुप् + अन्त उत् + विग्न सत् + आनन्द अप् + धि दिक् + अन्त तत् + अनुकूल	सद्भावना षडानन सद्गति उज्ज्वल तदनन्तर उद्गम उद्योग जगदीश षड्रिपु कृदन्त जगदम्बा सद्धर्म सुबंत उद्विग्न सदानन्द अब्धि दिगन्त तदनुकूल
2. यदि प्रत्येक वर्ग के पहले वर्ण अर्थात् 'क्' 'च्' 'ट्' 'त्' 'प्' के बाद 'न' या 'म' आए तो 'क्' 'च्' 'ट्' 'त्' 'प्' अपने वर्ग के पंचम वर्ण अर्थात् ङ, ज, ण, न, म् में बदल जाते हैं।	क्→ङ्, च्→ज्, ट्→ण्, त्→न्, प्→म्	वाक् + मय षट् + मास जगत् + नाथ अप् + मय तत् + मय सत् + मार्ग उत् + नति उत् + नयन दिक् + नाग षट् + मुख सत् + निवेश दिक् + मण्डल विद् + मूर्ति	वाङ्मय षण्मास जगन्नाथ अम्मय तन्मय सन्मार्ग उन्नति उन्नयन दिङ्नाग षण्मुख सन्निवेश दिङ्मण्डल विद्मूर्ति
3. यदि 'म्' के बाद कोई स्पर्श व्यंजन आए तो 'म' जुड़ने वाले वर्ण के वर्ग का पंचम वर्ण या अनुस्वार हो जाता है। (अपवाद- सम् + कृत = संस्कृत सम् + कृति = संस्कृति)	म् → अनुस्वार/पंचम	अहम् + कार किम् + चित् सम् + गम सम् + तोष सम् + चय सम् + मान किम् + कर किम् + नर	अहंकार किंचित् संगम संतोष संचय सम्मान किंकर किन्नर

		सम् + कल्प सम् + पूर्ण पम् + चम अकिम् + चन दिवम् + गत परम् + तु सम् + तप्त सम् + मति अवश्यम् + भावी सम् + शय सम् + विधान	संकल्प संपूर्ण पंचम अकिञ्चन दिवङ्गत परन्तु संतप्त सम्मति अवश्यम्भावी संशय संविधान
4. यदि म् के बाद य, र, ल, व, श, ष, स, ह में से किसी भी वर्ण का मेल हो तो 'म' के स्थान पर अनुस्वार ही लगेगा।	म् → (अनुस्वार)	सम् + योग सम् + रचना सम् + वाद सम् + सार सम् + रक्षण सम् + हार	संयोग संरचना संवाद संसार संरक्षण संहार
5. यदि त् या द् के बाद 'ल', 'ट', 'ड' रहे तो 'त्' या 'द्' क्रमशः 'ल्', 'ट्', 'ड्' में बदल जाता है।	त्/द् + ल → ल्	उत् + लास उद् + लेख तत् + लीन उद् + लाघ उत् + लंघन तडित् + लेखा तत् + टीका	उल्लास उल्लेख तल्लीन उल्लाघ उल्लंघन तडिल्लेखा तट्टीका
6. यदि 'त्' या 'द्' के बाद 'ज' / 'झ' या 'म' हो तो 'त्' या 'द्' क्रमशः 'ज्' या 'न्', में बदल जाता है।	त्/द् → ज्	सत् + जन उद् + झटिका विपत् + जाल जगत् + जीवन शरद् + माला उपनिषद् + मीमांसा जगत् + जननी	सज्जन उज्झटिका विपज्जाल जगज्जीवन शरन्माला उपनिषन्मीमांसा जगज्जननी
7. यदि 'त्' या 'द्' वर्ण के बाद 'श' वर्ण आता है, तो 'त्' या 'द्' का परिवर्तन 'च्' में हो जाता है और 'श' का परिवर्तन 'छ' में हो जाता है।	त्/द् → च् श → छ्	उद् + श्वास उद् + शिष्ट सत् + शास्त्र मृद् + शकटिक विद्युत् + शक्ति तत् + शंकर	उच्छ्वास उच्छिष्ट सच्छास्त्र मृच्छकटिक विद्युच्छक्ति तच्छंकर

8. यदि 'त्' या 'द्' के बाद 'च' या 'छ' हो तो 'त्' या 'द्' का 'च्' हो जाता है।	त्/द् → च्	उत् + चारण सत् + चरित्र वृहत् + चयन उत् + छिन्न सत् + चित सत् + चित् + आनन्द	उच्चारण सच्चरित्र वृहच्चयन उच्छिन्न सच्चित सच्चिदानन्द (नियम=1+8)
9. 'त्' या 'द्' के बाद यदि 'ह' हो तो 'त्' एवं 'द्' के स्थान पर 'दू' और 'ह' के स्थान पर 'ध' हो जाता है।	त्/द् → दू ह → ध	तत् + हित उत् + हार पद् + हति	तद्धित उद्धार पद्धति
10. जब पहले पद के अंत में स्वर हो और आगे के पद का पहला वर्ण 'छ' हो तो 'छ' के स्थान पर 'च्छ' हो जाता है।	छ → च्छ	अनु + छेद परि + छेद आ + छादन संधि + छेद स्व + छंद वृक्ष + छाया श्री + छाया प्र + छन्न लक्ष्मी + छाया मातृ + छाया	अनुच्छेद परिच्छेद आच्छादन संधिच्छेद स्वच्छंद वृक्षच्छाया श्रीच्छाया प्रच्छन्न लक्ष्मीच्छाया मातृच्छाया
11. यदि किसी शब्द के अंत में 'अ' या 'आ' को छोड़कर कोई अन्य स्वर आए एवं दूसरे शब्द के आरंभ में 'स' हो तो 'स' के स्थान पर 'ष' हो जाता है।	स → ष	अभि + सेक वि + सम नि + सिद्ध सु + सुप्ति वि + साद सु + स्मिता	अभिषेक विषम निषिद्ध सुषुप्ति विषाद सुष्मिता
12. ऋ, र, ष के बाद जब कोई स्वर, कोई 'क' वर्गीय या 'प' वर्गीय वर्ण, अनुस्वार अथवा य, व, ह में से कोई वर्ण आए तो अंत में आने वाला 'न', 'ण' हो जाता है।	न → ण	भर् + अन भूष् + अन राम + अयन प्र + मान	भरण भूषण रामायण प्रमाण
13. यदि 'अहन्' शब्द के बाद 'र' आए तो 'अहन्' का 'अहो' हो जाता है	अहन् + र = अहो	अहन् + रात्रि अहन् + रूप	अहोरात्र अहोरूप
14. यदि 'द्' के बाद 'क-ख', 'त-थ', 'प-फ', 'श-ष' आए तो 'द्' अपने ही वर्ग के प्रथम व्यंजन 'त्' में बदल जाता है	द् → त्	तद् + पर सद् + कार उद् + साह	तत्पर सत्कार उत्साह

15. 'इ/उ' के बाद 'स्त', 'स्थ', 'स्न' आए तो उनका क्रमशः 'ष्ट', 'ष्ठ', 'ष्ण' हो जाता है	स → ष	नै + स्थिक नि + सन्न	नैष्ठिक निषन्न
16. यदि 'ऋ', 'र', 'ष' के बाद 'न' आए तो 'न' 'ण' में बदल जाता है	न → ण	परि + नय परि + नाम	परिणय परिणाम
17. यदि प्रथम वर्ण + घोष वर्ण (पंचम वर्ण को छोड़कर) आये तो प्रथम वर्ण अपने वर्ग के तृतीय वर्ण में रूपांतरित हो जाएगा		ऋक् + वेद'	ऋग्वेद
	त् + आ = द्	सत् + आनन्द	सदानन्द
18. व्यंजन संधि में यदि त् \ + ट आये तो त् का ट्, त् \ + ड आये तो त् का ड् तथा त् \ + ल् आये तो त् का ल् हो जाएगा।		उत् + डयन	उड्डयन

विसर्ग संधि

- जब विसर्ग (:) के साथ स्वर या व्यंजन का मेल होता है तो इससे शब्द में विकार या परिवर्तन हो जाता है जिसे 'विसर्ग संधि' कहते हैं।

विसर्ग संधि के नियम			
संधि का नियम	नियम	संधि-विच्छेद	संधि-फल
1. यदि विसर्ग के पहले 'अ' हो और बाद में 'अ' हो तो दोनों का विकार 'ओ' हो जाता है।	अः + अ = ओ	मनः + अनुकूल यशः + अभिलाषा अन्यः + अन्य मनः + अनुसार	मनोनुकूल यशोभिलाषा अन्योन्य मनोनुसार
2. यदि विसर्ग के पहले 'अ' हो और बाद वाले शब्द का पहला अक्षर 'अ' हो तो विसर्ग का लोप हो जाता है।	अः + अ = अ (विसर्ग लोप)	अतः + एव यशः + इच्छा	अतएव यशइच्छा
3. यदि विसर्ग के पहले 'अ' हो और बाद में किसी वर्ग का तृतीय/चतुर्थ वर्ण अथवा म, य, र, ल, व, ह आए तो विसर्ग 'ओ' में बदल जाता है।	अः + (ग, घ, द, ध, य, र, ल, व ...) = ओ	मनः + हर तपः + वन तमः + गुण पयः + द सरः + वर वयः + वृद्ध वयोः + वेग तेजः + बल यशः + धरा मनः + रथ	मनोहर तपोवन तमोगुण पयोद सरोवर वयोवृद्ध वयोवेग तेजोबल यशोधरा मनोरथ

		मनः + रंजन यशः + दा मनः + दशा रजः + दर्शन यशः + वर्मन नभः + मण्डल अन्ततः + गत्वा सरः + ज यशः + भूमि शिरः + भाग तपः + भूमि मनः + विकार शिरः + रेखा तिरः + धान रजः + भव	मनोरंजन यशोदा मनोदशा रजोदर्शन यशोवर्मन नभोमण्डल अंततोगत्वा सरोज यशोभूमि शिरोभाग तपोभूमि मनोविकार शिरोरेखा तिरोधान रजोभव
4. यदि विसर्ग के बाद अ के अतिरिक्त कोई अन्य स्वर अथवा किसी वर्ग का तृतीय, चतुर्थ या पंचम वर्ण हो या 'य' 'ल' 'व' 'ह' हो तो विसर्ग के स्थान पर 'र्' हो जाता है।	विसर्ग → र्	अंतः + ध्यान दुः + उपयोग आयुः + वेद ज्योतिः + मय चतुः + दिशि पुनः + जन्म निः + आहार निः + जल निः + धन दुः + आत्मा निः + लोभ आशीः + वाद आशीः + वचन दुः + गुण दुः + गंध दुः + ऊह निः + आशा दुः + दशा निः + भय निः + उपाय निः + गुण निः + मल पुनः + उक्ति बहिः + एकता	अंतर्ध्यान दुरुपयोग आयुर्वेद ज्योतिर्मय चतुर्दिश पुनर्जन्म निराहार निर्जल निर्धन दुरात्मा निर्लोभ आशीर्वाद आशीर्वचन दुर्गुण दुर्गंध दुरूह निराशा दुर्दशा निर्भय निरुपाय निर्गुण निर्मल पुनरुक्ति बहिरेकता

5. यदि विसर्ग के बाद 'च'/'छ' या तालव्य 'श' हो तो विसर्ग 'श्' में बदल जाता है।	विसर्ग → श्	पुनः + च तपः + चर्या यशः + शरीर मनः + चिकित्सा निः + चय निः + छल निः + चल हरिः + चन्द्र	पुनश्च तपश्चर्या यशश्शरीर मनश्चिकित्सा निश्चय निश्छल निश्चल हरिश्चन्द्र
6. यदि विसर्ग के पहले 'अ' या 'आ' हो और बाद में 'त' या दंत्य 'स' हो तो विसर्ग का 'स्' हो जाता है।	विसर्ग → स्	परः + पर नमः + ते मनः + ताप दुः + तर चन्द्रः + तम	परस्पर नमस्ते मनस्ताप दुस्तर चन्द्रस्तम
7. यदि विसर्ग के पहले 'इ' या 'उ' स्वर हो और बाद में 'क/ख/प/फ' वर्ण हो तो विसर्ग मूर्धन्य 'ष्' में बदल जाता है।	विसर्ग → ष्	आविः + कार परिः + कृत चतुः + पाद निः + कपट दुः + प्रकृति दुः + कर्म दुः + कर दुः + परिणाम निः + प्राण निः + फल निः + काम निः + पाप	आविष्कार परिष्कृत चतुष्पाद निष्कपट दुष्प्रकृति दुष्कर्म दुष्कर दुष्परिणाम निष्प्राण निष्फल निष्काम निष्पाप
8. यदि विसर्ग के पहले 'अ' या 'आ' हो और बाद में 'क/ख' अथवा 'प/फ' हो तो विसर्ग 'स्' में बदल जाता है	विसर्ग → स्	पुरः + कार नमः + कार श्रेयः + कर तिरः + कार भाः + कर	पुरस्कार नमस्कार श्रेयस्कर तिरस्कार भास्कर
9. यदि विसर्ग के पहले 'इ' या 'उ' स्वर हो और बाद में 'र्' हो तो विसर्ग से पहले के 'इ' या 'उ' स्वर क्रमशः 'ई' या 'ऊ' में बदल जाते हैं	दिर्घीकरण	निः + रव निः + रस निः + रोग निः + रज	नीरव नीरस नीरोग नीरज

10. विसर्ग + ट/ठ = विसर्ग का 'ष्' में परिवर्तन	विसर्ग → ष्	धनुः + टंकार	धनुष्टंकार
11. विसर्ग + त/थ = विसर्ग का 'स्' में परिवर्तन	विसर्ग → स्	निः + तार निः + तेज इतः + ततः	निस्तार निस्तेज इतस्ततः
12. विसर्ग + श/स = विसर्ग का क्रमशः 'श'/'स्' में परिवर्तन	विसर्ग → श/स्	निः + सन्देह दुः + शासन दुः + साहस	निस्सन्देह दुश्शासन दुस्साहस
13. यदि विसर्ग से पहले 'अ' हो और बाद में 'क/ख' या 'प/फ' हो तो विसर्ग सुरक्षित रहता है	विसर्ग → :	मनः + कामना अन्तः + करण प्रातः + काल पुनः + प्राप्ति	मनःकामना अन्तःकरण प्रातःकाल पुनःप्राप्ति



13

CHAPTER

Golden Rules of English Grammar

NOUN

Rule:1

- कभी – कभी **Proper Noun** के पहले “**The**” का प्रयोग करके, उसे **Common noun** की तरह प्रयोग करते हैं।

Example

- ✓ Kalidas is **the Shakespeare** of India.
- कभी – कभी **proper noun** को भी **common Noun** की तरह प्रयोग करते हैं। उस समय **Proper Noun** एक जाति या जाति के किसी व्यक्ति को व्यक्त करता है।

Example

- ✓ There are five **Ram** in my Class.
- **Proper, Material और Abstract Noun** सदैव एक वचन (**Singular**) में होती हैं, परंतु जब इनका प्रयोग बहुवचन (**Plura**) की तरह होता है तो ये **Common Noun** बन जाती हैं।

Example

- ✓ **Simran** is the wife of Shivam. (Proper Noun)

Rule 2: सामान्यतः **Collective Noun** के साथ **singular verb** का प्रयोग होता है। इनके साथ **plural verb** का प्रयोग तभी करते हैं जब प्रत्येक सदस्य के बारे में बताया जाता है।

Example

- The **crowd** of the migrant workers at the station for the Shramik Special is unforgettable.
- A **pride** of lions consists of related females, cubs, and a small number of adult males.

Rule 3: कुछ Nouns का प्रयोग हमेशा **Plural form** में ही रहता है। इन Nouns के अन्त में लगे 's' को हटाकर, इन्हें **Singular** नहीं बनाया जा सकता है। ये दिखने में भी **Plural** लगते हैं, एवं इनका प्रयोग भी **Plural** की तरह होता है।

- **Words :** Alms, arrears, athletics, auspices, caves, species, scissors, trousers, pants, clippers, bellows, gallows, fangs, eyeglasses, goggles, belongings, breeches, bowels, braces, binoculars, customs, congratulations, dregs, earnings, entrails, embers, fetters, fireworks, lodgings, lees, odds, outskirts, particulars, proceeds, proceedings, regards, riches, remains, savings, shambles, shears, spectacles, surroundings, tidings, troops, tactics, thanks, tongs, vegetables, valuables, wages, Bacteria etc.

Example

- ✓ My father gave me a pair of binoculars on my birthday.
- ✓ Bacteria are single-celled organisms that can reproduce on their own.

Rule 4: कुछ Nouns दिखने में **Plural** लगते हैं लेकिन अर्थ में **Singular** होते हैं। इनका प्रयोग हमेशा **Singular** में ही होता है।

- **Words:** News, Innings, Politics, Summons, Physics, Economics, Ethics, Mechanics, Mathematics, Mumps, Rickets, Billiards, Draughts, etc.

Example

- ✓ The first innings of the match was very sensational.

Rule 5: कुछ Nouns दिखने में **Singular** लगते हैं लेकिन इनका प्रयोग हमेशा **Plural** में होता है।

- **Words:** cattle clergy, cavalry, infantry, poultry, peasantry, children, gentry, police etc.

Example

- ✓ Cattle have died when liquid manure stored in pits under slotted floors was agitated.

Rule 6: कुछ Nouns का प्रयोग, केवल Singular form में ही किया जाता है। ये Uncountable Nouns हैं। इनके साथ Article A/An का प्रयोग भी नहीं किया जाता है।

- **Words:** Scenery, Poetry, Furniture, Advice, Information, Hair, Language, Business, Mischief, Bread, Stationery, Crockery, Luggage, Baggage, Postage, Knowledge, Wastage, Money, Jewellery, Breakage, temper.

Example

- ✓ We need to buy new furniture for the office.
- ✓ The scenery was so beautiful that John was mesmerized and captivated by all that he saw.
- ✓ Dozens of lower courts have rejected cases pressed by Trump and his allies.

Rule 7: कुछ Nouns, Plural एवं Singular दोनों में एक ही रूप में रहते हैं।

- **Words:** deer, fish, crew, family, team, jury, carp, pike, trout, aircraft, counsel, committee etc.

Example

- ✓ The committee were split on whether the new regulations for the National Health Protection Scheme should be implemented.

Rule 8: कुछ Nouns जो अर्थ में तो Plural होते हैं, लेकिन यदि इनके पूर्व कोई निश्चित संख्यात्मक विशेषण (Definite numeral adjective) का प्रयोग किया जाता है, तो इन Nouns को Pluralise नहीं किया जाता है।

- **Words:** Pair, score, gross, stone, hundred, dozen, thousand, million, Billion etc.

Example

- ✓ Amount of less than a million rupees is required right now. Take the money to the bank and withdraw it.
- ✓ His sons-in-law have enhanced his business within a short period.

Rule 9: यदि किसी Noun के बाद Preposition आता है एवं फिर वही Noun आता है तो वह Noun Singular रहता है।

Example:

- a. Town after town was devastated.
- b. Row upon row of pick marble looks beautiful.
- c. He enquired from door to door.
- d. Ship after ship is arriving.

Note: इस तरह के वाक्यों में Towns after Towns, Rows upon Rows, doors to doors या ships after ships लिखना गलत है।

Rule 10: किसी वाक्य में Numeral Adjective के बाद a half, या a quarter आता है तो Noun को Numeral Adjective के बाद रखा जाता है। एवं फिर a half या a quarter लिखा जाता है।

Example:

- a. He gave me one rupee and a half.
- b. She gave me two rupees and a quarter.

Notes: यदि numeral adjective एवं fraction को and से जोड़ा गया हो एवं वाक्य में multiply के अर्थ में प्रयुक्त हो तो noun का प्रयोग Plural number में a half/ a quarter के बाद होगा।

Example:

- a. Two and a quarter times.
- b. One and a half times.

यहाँ वाक्य में multiply किया गया है। अतः Noun 'times' Plural में a quarter / a half के बाद प्रयुक्त हुआ है।

Rule 11: Hyphenated noun का प्रयोग कभी भी plural form में नहीं होता है।

Example:

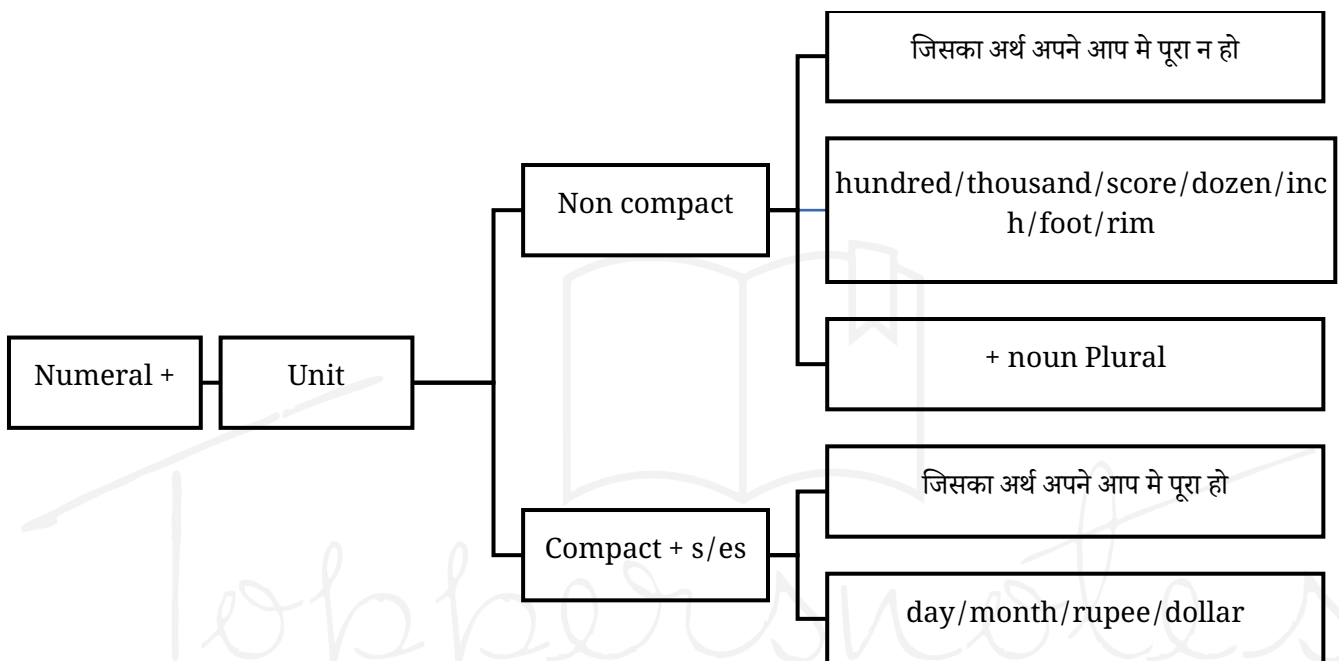
- a. He gave me two hundred-rupee notes.
- b. He stays in five- star hotels. (stars को star में परिवर्तित करें)

Rule 12: A set of/ a pair of/ a group of / each of/either of/ neither of के साथ Noun plural और helping verb singular उपयोग होती हैं।

Example:

- A set of** proceeds was deposited in bank account.
- A pair of** shocks has bought by Ramesh.
- Each of** Students has solved this Questions.

Rule 15:



Example:

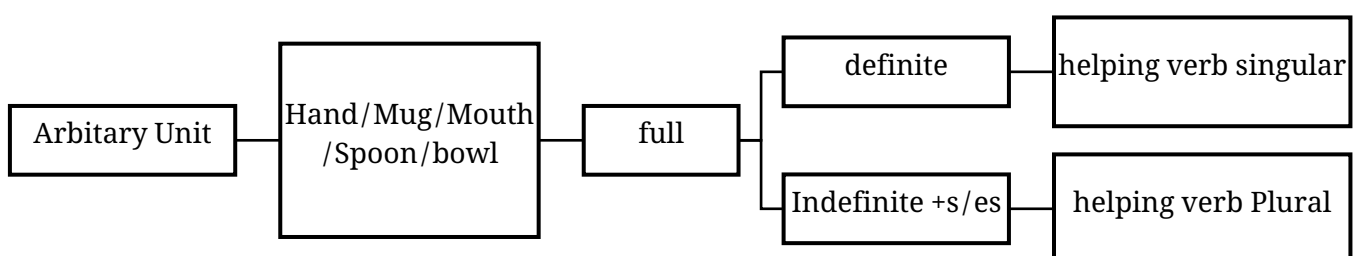
- Ramesh spent ten rupees.
- She sold two dozens.
- We bought two dozen mangoes from the market.

Rule 16: Unit (Plural) of noun (Plural) + plural helping verb

Example:

- Hundreds of shops are closed during riot.

Rule 18:



Rule 13: both of / all of + Noun plural + helping Plural

Example:

- All of** students are thrown out in my class.

Rule 14: Numeral + unit (singular) + Noun (singular)/ adjective

Numeral + unit (Plural) + adjective

Example:

- She saw **a six foot** snake.
- He is **six feet** tall

- Balloons filled with helium travel hundreds or even thousands of miles.

Rule 17: more than one unit in sentence.

We use unit in ascending order.

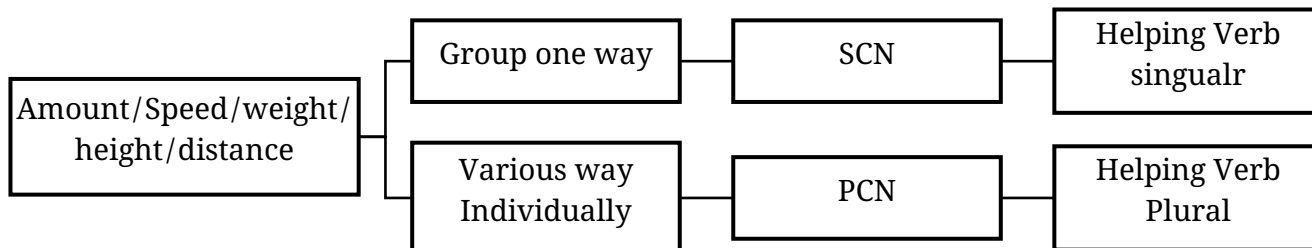
Example:

- Thousands of lakhs of student of student have given test.

Example:

- a. Two Spoonful
- b. His sons-in-law have enhanced his business within a short period

Rule 19:



Example:

- a. Ten miles needs to covered completely on foot.
- b. Five thousands rupees were spent on foot and entertainment.

PRONOUN

Rule 1: किसी Sentence में verb के पहले आने वाला pronoun, Nominative case में और Pronoun का प्रयोग verb के बाद होता है तो वह objective Case का प्रयोग होता है।

Structure:

- Subjective / Nominative + Verb + Objective → I teach him → Active Voice
- Subjective/ Nominative + Verb + Objective → He is taught by me. → Passive Voice

Example:

- a. The credit for organizing the successful event was given to both Neha and me.
- b. She came home to meet my family and me.

Rule 2: Singular Pronoun: यदि एक sentence में एक से अधिक pronoun का प्रयोग किया जाता है और तो और sentence से किसी बुरी बात का आभास न हो, उन्हें 231 क्रम (2nd person, 3rd Person, 1st Person) का प्रयोग होता है।

Example

- ✓ Sia and I spent a few magical minutes observing giraffes and elephants assembling at a watering hole.
- ✓ Mary and I will be going to the movies after we're done with the marathon.

Rule 3: Plural Pronoun: जब किसी Sentence में एक से अधिक Pronoun का प्रयोग हो और वो Plural हो तो उन्हें 123 क्रम (1st Person, 2nd person, 3rd Person) का प्रयोग होता है।

Example

- You, she and I will be traveling by my car.

Rule 4: यदि Sentence में कोई गलती का सन्दर्भ आए या कोई भूल या अपराध का जिक्र हो या वाक्य का भाव Positive नहीं हो तो Pronouns का क्रम 123 की तरह होना चाहिए।

Example

- I and he will beg sorry for the misconduct.

Rule 5: यदि sentence में एक से अधिक भिन्न – भिन्न persons के Pronoun का प्रयोग होता है एवं उनके लिए एक ही Plural Pronoun का प्रयोग किया जाए तो

- III + I Person → I Person Plural
- II + III Person → II Person Plural
- II + I Person → I Person Plural

Example:

- a. You and I have done our job.
- b. You he and I have completed our duty.
- c. You and I have submitted our work on time.

Rule 6: Collective Noun के साथ, **Pronoun** का प्रयोग उस स्थिति में **Singular (and Neuter Gender)** में होता है जब **Collective Noun** का प्रयोग एक **Unit** के रूप में हो, यदि **Collective Noun** का प्रयोग **Unit** की तरह न होकर, बिखरा (**Divided or Separate**) हुआ होता है तो **Plural Pronoun** का प्रयोग किया जाता है।

Example

- Apart from Germany, they also visited Italy and Austria during **their** business trip.

Rule 7: जब दो या दो से अधिक **Pronoun, and** के साथ जुड़े होते हैं तो **Pronoun Plural** होता है।

Example:

- Ram** and **Mohan** went to **their** school.
- Suresh** and **his** family members have completed **their** work.

Rule 8: जब दो **Singular Nouns, and** से संयुक्त हों एवं दोनों के पूर्व **Each** या **Every** का प्रयोग हुआ हो तो **Pronoun** भी **Singular** होगा।

Example:

- Each** officer and each clerk has joined **his** duty.
- Every soldier and every officer was in his place.

Rule 9: **Each, Either** एवं **Neither** के साथ हमेशा **Singular Pronoun** एवं **Singular Verb** का प्रयोग किया जाता है।

Example

- Each of the employees needs to submit his or her reports by Friday.

Rule 10: जब दो या अधिक **Singular Nouns 'or', 'Either.....or', 'Neither.....nor'** से संयुक्त किए जाते हैं तो **Pronoun, Singular** प्रयोग किया जाता है।

Example

- Neither the tunny nor the coral fishery is carried on by the Sardinians themselves, who are not sailors by nature.

- Either my brother or my parents are going to bring the sleeping bags.
- Neither Suresh nor Ramesh is allowed to enter the class if they have not completed the homework given by me last week.

Rule 11: जब एक **Plural** एवं एक **Singular Noun, 'or'** या **'nor'** से संयुक्त किए जाते हैं तो **Pronoun-Plural** लगता है।

Example:

- Either** the Principal **or** the teachers failed in **their** duty.
- Neither** the teacher **nor** the students have done **their** work.

Rule 12: तुलनात्मक (**Comparative**) वाक्यों में **than** या **as** के बाद **Pronoun** की **Nominative Form** का प्रयोग होगा या **Objective Form** का यह इस पर निर्भर है कि वाक्य का अर्थ क्या है।

Example:

- I love you more than he (loves you).
- I love you more than (I love) him.
- I shall give you as many pens as (I shall give) him.
- I am as intelligent as he (is).

Rule 13: “**to be**” **Form Verb** के बाद आने वाला **Pronoun** उसी **Case** में होना चाहिए, जिस **case** में **verb “to be”** के पहले आने वाला **Noun** या **pronoun** प्रयुक्त हुआ है।

Example:

- It is I.
- This is She.

Note: यदि इस तरह के वाक्यों में **who/which** के साथ जब **Clause** का प्रयोग होता है। **Verb 'to be'** के बाद आने वाला **Pronoun** हमेशा **Nominative case** में प्रयोग किया जाता है।

Example:

- It is he who is responsible.
- It is she who refused the offer.
- It is I who saw her yesterday.
- It is he who will pay you.

Rule 14: Let, like, between, but, except एवं prepositions के बाद Objective Case का प्रयोग किया जाता है।

Example:

- a. Let me do this work.
- b. Let me clear the doubts, if any.
- c. Everybody but him was present for the meeting.

Use of It:

Rule 1: It का प्रयोग जानवर, निर्जीव पदार्थ, देश व शिशु के लिए होता है। 'It' का बहुवचन 'they' होता है।

Example:

- a. Here is your pen. Please take it.
- b. He has a cat. It is very beautiful.
- c. When he saw the child, it was playing.

Rule 2: It का प्रयोग time, weather (मौसम), temperature (तापमान) तथा distance (दूरी) या अन्य प्राकृतिक घटना को express (अभिव्यक्त) करने के लिए Introductory subject के रूप में होता है। इस case में 'it' को 'empty 'it' कहा जाता है क्योंकि इसका कोई अर्थ नहीं होता है।

Example:

- a. It is 7 O'clock.
- b. It is fine.
- c. It is summer.

Rule 3: It का प्रयोग Infinitive, Gerund तथा Clause के बदले में भी होता है।

Example:

- a. It rains.
- b. It blows.

Rule 4: It का प्रयोग sentence के subject के रूप में noun या pronoun पर जोर डालने के लिए होता है।

Example:

- a. It is you, who can solve this problem.
- b. It is the place where he was murdered.

Rule 5: It का प्रयोग Phrase या clause को introduce करने के लिए होता है।

Example:

- a. That the Record will break today is probable.

Rule 6: Exclamatory वाक्य में It का प्रयोग निम्न प्रकार किया जाता है।

Example:

- a. What a beautiful bird it is!
- b. What a large building it is!

Rule 7: The possessive pronoun required here is "its" (without an apostrophe).

It's = it is

- a. She has been a member of this club since its formation.
- b. It's impossible to conduct truly causal research on media consumption and suicide.
- c. Now it's referring to the same big lug who met his fate thanks to David's slingshot.
- d. The energetic kitten is playful after having its breakfast.
- e. A computer can't function without its motherboard.

Rule 15: कुछ Transitive Verbs के साथ Reflexive Pronoun का प्रयोग किया जाता है। Transitive Verb के साथ Object का आना आवश्यक है, जब इन verb के साथ कोई Object नहीं होता है, तो Reflexive Pronoun लगाकर object की पूर्ति करनी होती है।

verbs: avail, absent, enjoy, resign, apply, revenge, exert etc.

Example:

- a. They enjoyed themselves the pleasure of weather.
- b. Try to avail yourself of every opportunity that comes your way.
- c. You should avail yourself of this opportunity to demonstrate your skills.